DAV PUBLIC SCHOOLS, ODISHA ZONE
QUESTION BANK (2023-24)
SUB: HINDI CLASS-VIII (HIGHER)
TEXT BOOKS: GYAN SAGAR & ABHYAS SAGAR
(DAV CMC PUBLICATION)
EXAM SCHEDULE 2023-2024

NAME OF THE EXAM	DATE	FULL MARKS
PERIODIC ASSESSMENT-1	24 JULY 2023 TO 31 JULY 2023	40

SYLLABUS

SECTION	PERIODIC ASSESSMENT-I	MARKS (40 MARKS)
खंड-क	अपठित गद्यांश	5
खंड-ख	व्याकरण- अभ्यास सागर से	10
खंड-ग	पाठ्य-पुस्तक-ज्ञान सागर	20
खंड-घ	लेखन-(अनुच्छेद लेखन)	5

TYPOLOGY OF QUESTIONS

1.	बहुवैकल्पिक प्रश्न **(VSA-I)**	**1 MARK**
2.	अति लघूत्तरात्मक **(VSA-II)**	**1 MARK**
3.	संक्षिप्त उत्तर **(SA-I)**	**2 MARK**
4.	विस्तृत उत्तर**-I (LA-I)**	**3 MARK**
5.	विस्तृत उत्तर **-II (LA-II)**	**5 MARK**

खंड-क (अपठित गद्यांश) (1 अंक वाले प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से सही विकल्प छाँटकर लिखिए -

मानव जाति को अन्य जीवधारियों से अलग करके महत्त्व प्रदान करने वाला जो एकमात्र गुरु है, वह है उसकी विचार-शक्ति। मनुष्य के पास बुद्धि है, विवेक है, तर्कशक्ति है अर्थात उसके पास विचारों की अमूल्य पूँजी है। अपने सुविचारों की नींव पर ही आज मानव ने अपनी श्रेष्ठता की स्थापना की है और मानव-सभ्यता का विशाल महल खड़ा किया है। यही कारण है कि विचारशील मनुष्य के पास जब सुविचारों का अभाव रहता है तो उसका वह शून्य मानस कुविचारों से ग्रस्त होकर एक प्रकार से शैतान के वशीभूत हो जाता है। मानवी बुद्धि जब सद्भावों से प्रेरित होकर कल्याणकारी योजनाओं में प्रवृत्त रहती है तो उसकी सदाशयता का कोई अंत नहीं होता, किंतु जब वहाँ कुविचार अपना घर बना लेते हैं तो उसकी पाशविक प्रवृत्तियाँ उस पर हावी हो उठती

हैं। हिंसा और पापाचार का दानवी साम्राज्य इस बात का द्योतक है कि मानव की विचार-शक्ति, जो उसे पशु बनने से रोकती है, उसका साथ देती है।

प्रश्न: - **(1x5=5)**

(क) मानव जाति को महत्त्व देने में किसका योगदान है?

(i) शारीरिक शक्ति का (ii) परिश्रम और उत्साह का

(iii) विवेक और विचारों का (iv) मानव सभ्यता का

(ख) विचारों की पूँजी में क्या शामिल नहीं है ?

(i) उत्साह (ii) विवेक (iii) तर्क (iv) बुद्धि

(ग) मानव में पाशविक प्रवृत्तियाँ क्यों जागृत होती हैं?

(i) हिंसाबुद्धि के कारण (ii) असत्य बोलने के कारण

(iii) कुविचारों के कारण (iv) स्वार्थ के कारण

(घ) कौन-सी शक्ति मानव को पशु बनने से रोकती है ?

(i) कल्पना शक्ति (ii) विचार शक्ति (iii) चिंतन शक्ति (iv) सहन शक्ति

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक है ?

(i) महान विचार (ii) अमूल्य पूँजी (iii) मानव सभ्यता (iv) प्रवृतियाँ

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से सही विकल्प छाँटकर लिखिए -

मनुष्य को चाहिए कि संतुलित रहकर अति के मार्गों का त्यागकर मध्यम मार्ग को अपनाए। अपने सामर्थ्य की पहचान कर उसकी सीमाओं के अंदर जीवन बिताना एक कठिन कला है। सामान्य पुरुष अपने अहं के वशीभूत होकर अपना मूल्यांकन अधिक कर बैठता है और इसी के फलस्वरूप वह उन कार्यों में हाथ लगा देता है जो उसकी शक्ति में नहीं हैं। इसलिए सामर्थ्य से अधिक व्यय करने वालों के लिए कहा जाता है कि 'तेते पाँव पसारिए,जेती लांबी सौर'| उन्हीं के लिए कहा गया है कि अपने सामर्थ्य, को विचार कर उसके अनुरूप कार्य करना और व्यर्थ के दिखावे में स्वयं को न भुला देना एक कठिन साधना तो अवश्य है, पर सबके लिए यही मार्ग अनुकरणीय है।

प्रश्न- **(1x5=5)**

(क) अति का मार्ग क्या होता है?

(i) असंतुलित मार्ग (ii) संतुलित मार्ग (iii) अमर्यादित मार्ग (iv) मध्यम मार्ग

(ख) कठिन कला क्या है?

(i) सामर्थ्य के बिना सीमारहित जीवन बिताना (ii) सामर्थ्य को बिना पहचाने जीवन बिताना

(iii) सामर्थ्य की सीमा में जीवन बिताना (iv) सामर्थ्य न होने पर भी जीवन बिताना

(ग) मनुष्य अहं के वशीभूत होकर -

(i) अपने को महत्त्वहीन समझ लेता है। (ii) किसी को महत्त्व देना छोड़ देता है।

(iii) अपना सर्वस्व खो बैठता है। (iv) अपना अधिक मूल्यांकन कर बैठता है।

(घ) तेते पाँव पसारिए, जेती लांबी सौर का आशय क्या है ?

(i) सामर्थ्य के अनुसार कार्य न करना (ii) सामर्थ्य के अनुसार कार्य करना

(iii) व्यर्थ का दिखावा करना (iv) आय से अधिक व्यय करना

(ङ) प्रस्तुत गद्यांश का शीर्षक हो सकता है -

(i) आय के अनुसार व्यय (ii) दिखावे में जीवन बिताना

(iii) सामर्थ्य से अधिक व्यय करना (iv) सामर्थ्य के अनुसार कार्य करना

3. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से सही विकल्प छाँटकर लिखिए –

प्रश्न- (1x5=5)

सुख विश्वास से उत्पन्न होता है। सुख जड़ता से भी उत्पन्न होता है। पुराने ज़माने के लोग सुखी इसलिए थे कि ईश्वर की सत्ता में उन्हें विश्वास था। उस ज़माने के नमूने आज भी हैं, मगर वे महानगरों में कम मिलते हैं। उनका जमघट गाँवों, कस्बों या छोटे-छोटे नगरों में है। इनके बहुत अधिक असंतुष्ट न होने का कारण यह है कि जो चीज़ उनके बस में नहीं है, उसे वे अदृश्य की इच्छा पर छोड़कर निश्चित हो जाते हैं। इसी प्रकार सुखी वे लोग भी होते हैं, जो सच्चे अर्थों में जड़तावादी हैं, क्योंकि उनकी आत्मा पर कठखोदी चिड़िया चोंच नहीं मारा करती, किंतु जो न जड़ता को स्वीकार करता है, न ईश्वर के अस्तित्व को तथा जो पूरे मन से न तो जड़ता का त्याग करता है और न ईश्वर के अस्तित्व का, असली वेदना उसी संदेहवादी मनुष्य की वेदना है। पश्चिम का आधुनिक बोध इसी पीड़ा से ग्रस्त है। वह न तो भैंस की तरह खा-पीकर संतुष्ट रह सकता है न अदृश्य का अवलंब लेकर चिंतामुक्त हो सकता है। इस अभागे मनुष्य के हाथ में न तो लोक रह गया है, न परलोक। लोक इसलिए नहीं कि वह भैंस बनकर जीने को तैयार नहीं है और परलोक इसलिए नहीं कि विज्ञान उसका समर्थन नहीं करता। निदान, संदेहवाद के झटके खाता हुआ यह आदमी दिन-रात व्याकुल रहता है।

प्रश्न - **(1x5=5)**

(क) सुख किनसे उत्पन्न होता है?

(i) जड़ता (ii) विश्वास (iii) विश्वास और जड़ता (iv) अर्थ

(ख) गाँवों में लोग असंतुष्ट क्यों नहीं हैं ?

(i) वे शक्तिशाली हैं। (ii) उनके पास सभी सुविधाएँ हैं।

(iii) वे अदृश्य पर अपनी चिंता छोड़ देते हैं। (iv) वे हर हाल में सुखी है |

(ग) सुखी वे होते हैं जो -

(i) जो किसी से नहीं डरते (ii) ईश्वर के अस्तित्व को स्वीकार नहीं करते

(iii) अपने आप को सब कुछ मानते हैं (iv) जड़ता को स्वीकार करते हैं

(घ) पश्चिम का आधुनिक बोध किससे पीड़ित है ?

(i) संदेहवादी दृष्टि (ii) आस्तिकवाद (iii) अस्तित्ववाद (iv) सौंदर्यवाद

(ङ) आदमी दिन-रात व्याकुल क्यों रहता है ?

(i) धोखा खाकर (ii) संदेहवाद के झटके खाकर (iii) भेदभाव करके (iv) दूसरों की बुराई करके

4. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से सही विकल्प छाँटकर लिखिए –

उन्नीसवीं शताब्दी में यह राष्ट्रीय जागरण संपूर्ण भारत में किसी-न-किसी रूप में अभिव्यक्त हो रहा था, जिसमें भारतीयता के साथ आधुनिकता का संगम था। स्वामी विवेकानंद ने तो अमेरिका, इंग्लैंड आदि देशों से भारत लौटकर पूर्व और पश्चिम के श्रेष्ठ तत्वों के सम्मिलन से भारत को आधुनिक बनाने का स्वप्न देखा था। उन्होंने माना कि भारत और पश्चिम की मूल गति एवं उद्देश्य भिन्न हैं, परंतु भारत को जागना होगा, कुसंस्कारों एवं जाति-विद्वेष को त्यागना होगा, शिक्षित होकर देश की अशिक्षित, गरीब जनता को ही 'दरिद्रनारायण' मानकर

उनकी सेवा करनी होगी, उनका उत्थान करना होगा। विवेकानंद का मत था कि भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है। यहाँ गरीबी अपराध एवं पाप नहीं है तथा दरिद्रों की अपेक्षा धनियों को अधिक प्रकाश की ज़रूरत है। वे चाहते थे कि हम नीच, अज्ञानी, दरिद्र-सभी को भाई मानें और गर्व से कहें-हम सब भाई भारतवासी हैं। मनुष्य को मानव बनाना, आदमी को इंसान बनाना आवश्यक है। हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो हमें संस्कारी मानव, हमदर्द इंसान बना सके। विचारों में विवेकानंद गांधी से अधिक दूर नहीं थे और ऐसे ही विचारकों का चिंतन उन्नीसवीं सदी में भारत को उद्वेलित कर रहा था।

प्रश्न- **(1x5=5)**

(क) किस सदी में संपूर्ण भारत में राष्ट्रीय जागरण अभिव्यक्त हो रहा था?

(i) उन्नीसवीं सदी में (ii) अठारहवीं सदी में (iii) बीसवीं सदी में (iv) इक्कीसवीं सदी में

(ख) विवेकानंद ने क्या सपना देखा था?

(i) विदेशी तर्ज पर भारत का विकास (ii) पूर्व व पश्चिम के तत्वों का मिलन

(iii) भारत को आधुनिक बनाना (iv) भारत का विकास

(ग) विवेकानंद के अनुसार भारतीयों को कैसी शिक्षा की ज़रूरत है?

(i) आदमी को आदमी बनाने वाली (ii) अंग्रेजी पढ़ाने वाली

(iii) भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने वाल (iv) बुद्धि का विकास करने वाली

(घ) किनको अधिक प्रकाश की ज़रूरत है ?

(i) मध्यमवर्ग को (ii) गरीब को (iii) धनी को (iv) उच्च मध्यवर्ग को

(ङ) "भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है|" किसका मत था?

(i) रवीन्द्रनाथ टैगोर (ii) महात्मा गांधी (iii) सुभाष चंद्र बोस (iv) स्वामी विवेकानंद

5.निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों में से सही विकल्प छाँटकर लिखिए –

सच्चा उत्साह वही होता है जो मनुष्य को कार्य करने के लिए प्रेरणा देता है। मनुष्य किसी भी कारणवश जब किसी के कष्ट को दूर करने का संकल्प करता है, तब जिस सुख को वह अनुभव करता है, वह सुख विशेष रूप से प्रेरणा देनेवाला होता है। जिस भी कार्य को करने के लिए मनुष्य में कष्ट, दुःख या हानि को सहन करने की ताकत आती है, उन सबसे उत्पन्न आनंद ही उत्साह कहलाता है उदाहरण के लिए दान देनेवाला व्यक्ति निश्चय ही अपने भीतर एक विशेष साहस रखता है। और वह है धन- त्याग का साहस यही त्याग यदि मनुष्य प्रसन्नता के साथ करता है तो उसे उत्साह से किया गया दान कहा जाएगा | उत्साह आनंद और साहस का मिला-जुला रूप है। उत्साह में किसी न किसी वस्तु पर ध्यान अवश्य केंद्रित होता है। वह चाहे कर्म पर, चाहे कर्म के फल पर और चाहे व्यक्ति या वस्तु पर हो। इन्हीं के आधार पर कर्म करने में आनंद मिलता है। कर्म-भावना से उत्पन्न आनंद का अनुभव केवल सच्चे वीर ही कर सकते हैं क्योंकि उनमें साहस की अधिकता होती है। सामान्य व्यक्ति कार्य पूरा हो जाने पर जिस आनंद का अनुभव करता है, सच्चा वीर कार्य प्रारंभ होने पर ही उसका अनुभव कर लेता है। आलस्य उत्साह का सबसे बड़ा शत्रु है। जो व्यक्ति आलस्य से भरा होगा , उसमें काम करने के प्रति उत्साह कभी उत्पन्न नहीं हो सकता | उत्साही व्यक्ति असफल होने पर भी कार्य करता रहता है।

प्रश्न- **(1x5=5)**

(क) उत्साह का प्रमुख लक्षण क्या है ?

(i) जोश (ii) साहस (iii) आनंद (iv) आनंद ओर जोश

(ख) सच्चे वीर वे होते हैं -

(i) जो फल पाने के लिए उत्साह दिखाते हैं। (ii) जो कर्म भाव से उत्साह दिखाते हैं

(iii)जो निष्काम भाव से उत्साह दिखाते हैं। (iv)जो आनंद विनोद के लिए उत्साह दिखाते हैं।

(ग) उत्साह के मार्ग में सबसे बड़ी रुकावट है -

(i) दुख (ii) निराशा (iii) वैराग्य (iv) आलस्य

(घ) किस भावना से उत्पन्न आनंद का अनुभव केवल सच्चे वीर ही कर सकते हैं ?

(i) मोक्ष भावना (ii) अर्थ भावना (iii) कर्म भावना (iv) धर्म भावना

(ङ) उत्साही व्यक्ति असफल होने पर क्या करता है ?

(i) रोता रहता है (ii) पछताता रहता है (iii) परेशान रहता है (iv) काम करता रहता है

खंड-ख (व्याकरण)(1 अंक वाले प्रश्न)

पाठ-१ हम पंछी उन्मुक्त गगन के

1.निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

क) किस वर्ण के स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग होता है?

i) पहले ii) दूसरे iii) चौथे iv) पाँचवे

ख) अनुस्वार का उच्चारण करते समय हवा कहाँ से निकलती है ?

i) मुँह ii) नाक iii) मुहँ एवं नाक iv) कंठ

ग) इनमें से कौन-सा पंचम वर्ण नहीं है ?

i) ङ ii) ण iii) म iv) च

घ) इनमें से किसमें 'र' का उचित प्रयोग है ?

i) विरदयाथी ii) शरम iii) वर्त iv) आशीर्वाद

ङ) किस शब्द में नुक्ता का सही प्रयोग नहीं है ?

i) फ़िल्म ii) दर्ज़ी iii) बड़ा iv) फ़र्क

च) 'गगन' का समानार्थी शब्द है –

i) रोशनी ii) कामना iii) आकाश iv) प्रकाश

छ) 'नीर' का समानार्थी शब्द है -

i) वृक्ष ii) बादल iii) नव iv) जल

ज) 'स्तुति' का विलोम शब्द है –

i) निंदा ii) प्रशंसा iii) दंड iv) हर्ष

झ) इनमें से कौन-सा शब्द 'पुरस्कार' का विलोम शब्द है ?

i) दंड ii) इनाम iii) सौगात iv) उपहार

ञ) कौन से शब्द में अनुनासिक का सही प्रयोग है ?

i) चाँद ii) अंगूर iii) संवाद iv) आगाँन

पाठ-२ असल धन

1.निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

क) इनमें से तत्सम शब्द कौन-सा है ?

i) मयूर ii) मैना iii) बुलबुल iv) कौवा

ख) इनमें से तत्सम कौन-सा है ?

i) काम ii) पैर iii) हाथ iv) सूर्य

ग) इनमें से तद्भव शब्द कौन-सा है ?

i) दुख ii) दही iii) आश्चर्य iv) बुद्धिमान

घ) इनमें से तद्भव कौन-सा है ?

i) क्रोध ii) मोर iii) धन iv) सुरक्षित

ङ) अश्रु का तद्भव रूप होगा -

i) नींद ii) खेत iii) आँख iv) आँसू

च) 'आँख' का तत्सम रूप होगा –

i) अश्रु ii) अक्षि iii) क्षेत्र iv) निद्रा

छ) " " इस विराम चिन्ह का नाम है -

i) योजक चिन्ह ii) अर्ध विराम iii) एकल उद्धरण iv) दुहरा उद्धरण

ज) इनमें से विस्मयादिबोधक चिन्ह कौन-सा है –

i) | ii) ! iii) ' ' iv) ?

झ) किस शब्द में अनुस्वार का सही प्रयोग है ?

i) प्रशंसा ii) मंहत iii) हसं iv) दतं

ञ) इनमें से 'र' के उचित रूप का प्रयोग किसमें है ?

i) कर्मचारी ii) निरदयी iii) आश्चय iv) पसार्द

पाठ-३ अच्छे पडोसी के गुण

1 .निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1 अंक वाले)

क) 'अभिनव' शब्द में मूलशब्द है-

i) अभी ii) अभि iii) नव iv) अ

ख) 'निर्भय' शब्द में उपसर्ग है -

i) नि ii) नी iii) निर iv) निर्

ग) 'प्रस्थान' में मूलशब्द है -

i) प्र ii) स्थान iii) आन iv) न

घ) 'स्वर्गीय' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है -

i) ई ii) इय iii) ईय iv) अ

ङ) 'बचपन' में मूलशब्द क्या है -

i) बच्च ii) बच iii) बच्चा iv) पन

च) 'चढ़ाई' शब्द में प्रत्यय कौन-सा है –

i) आई ii) ई iii) इ iv) अइ

छ) इनमें से किस शब्द में अनुनासिक का सही प्रयोग है -

i) महंगी ii) महँगी iii) मँहगी iv) महगीं

ज) 'नायक' का स्त्रलिंग रूप है –

i) नाइकी ii) नायिका iii) नाइका iv) नाईका

झ) 'संतरा' का बहुवचन रूप होगा -

i) संतरे ii) संतरों iii) संत्रियाँ iv) संतरिएँ

ञ) 'कोई' शब्द सर्वनाम का कौन-सा भेद है ?

i) प्रश्नवाचक ii) निजवाचक iii) अनिश्चयवाचक iv) पुरुषवाचक

(खंड-ग -पाठ्यपुस्तक)

पाठ-१ हम पंछी उन्मुक्त गगन के

1 .दिए गए प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में लिखिए | (1 अंक वाले प्रश्न)

क) कैसी अवस्था में पंछी नहीं गा पाएँगे ?

ख) किससे टकराकर पंछियों के पंख टूट जाएँगे ?

ग) पंछी कैसा जल पीना पसंद करते हैं ?

घ) पंछियों का प्रिय खाद्य क्या है ?

ङ) स्वर्ण-शृंखला के बंधन में पंछी क्या भूल जाते हैं ?

च) पंछी सपने में क्या देख रहे हैं ?

छ) पंछियों का क्या अरमान था ?

ज) पंछियों की चोंच की तुलना किससे की गई है ?

झ) पंछी अपने पंखों की प्रतियोगिता किससे करना चाहते हैं ?

ञ) पंछी किसमें विघ्न न डालने की प्रार्थना कर रहे हैं ?

2. दिए गए प्रश्नों का उत्तर संक्षेप में (25 से 30 शब्दों में) लिखिए | (2 अंक वाले प्रश्न)

क) पिंजरे में मिलने वाले खाने व पानी की जगह पक्षियों को क्या पसंद है ?

ख) पक्षी अपने मन में क्या अरमान रखते हैं ?

ग) 'कटुक निबौरी' और 'कनक कटोरी' द्वारा किस ओर संकेत किया गया है ?

घ) कविता की अंतिम पंक्तियों में पंछी मनुष्य से क्या प्रार्थना कर रहे हैं ?

ङ) 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देते हैं ?

3. दिए गए प्रश्नों का उत्तर विस्तृत रूप में (40 से 50 शब्दों में) लिखिए |(3 अंक वाले प्रश्न)

क) हमें किसी की आज़ादी क्यों नहीं छीननी चाहिए ? अपने विचार लिखें|

ख) 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के' कवि कौन हैं और इस कविता का केन्द्रीय भाव क्या है? स्पष्ट कीजिए |

पाठ-२ असल धन

1. दिए गए प्रश्नों का उत्तर एक वाक्य में लिखिए | (1 अंक वाले प्रश्न)

क) चरवाह कहाँ रहता था ?

ख) चरवाह कैसे कपड़े पहनता था ?

ग) चरवाह कैसे घर में रहता था ?

घ) गाँव वाले किसका सम्मान करते थे ?

ङ) गाँव वाले क्या लेकर चरवाह के पास आते थे ?

च) चरवाहे की बुद्धि किसके समान थी ?

छ) ईरान के शाह के कानों तक क्या जा पहुँची ?

ज) शाह के कान कौन भरने लगे ?

झ) क्या सबसे सरल काम है ?

ञ) शाह के मन में दारा के लिए क्या बढ़ता गया ?

ट) शाह ने दारा को कहाँ का गवर्नर बनाकर भेजा ?

ठ) दारा लोगों को कैसे न्याय दिलाता था ?

ड) दौरे पर जाते समय दारा अपने साथ क्या रखता था ?

ढ) बक्से के अंदर क्या था ?

ण) दारा अपना असल धन अपने साथ क्यों रखता था ?

2. दिए गए प्रश्नों का उत्तर संक्षेप में (25 से 30 शब्दों में) लिखिए | (2 अंक वाले प्रश्न)

क) गाँव वालों के द्वारा दारा का सम्मान करने का कारण क्या था ?

ख) गाँव वाले अपनी समस्याएँ दारा के पास लेकर क्यों आते थे ?

ग) अपने दरबार में दारा को रखने के पीछे शाह का क्या उद्देश्य था ?

घ) दारा की विशेषताएँ अपने शब्दों में लिखें |

ङ) क्या देखकर शाह दंग रह गए ?

च) शाह ने मुसकराकर क्या कहा ?

छ) शाह दारा को कहाँ बिठाते थे और क्यों ?

ज) दरबारियों द्वारा शाह के कान भरने पर शाह ने क्या कहा ?

झ) उत्तरी ईरान के प्रांत को किसके समान और कैसे शासक की आवश्यकता थी ?

ञ) दारा किस पर सवार होकर दौरा करता था और वह अपने साथ क्या रखता था ?

3. दिए गए प्रश्नों का उत्तर विस्तृत रूप में (40 से 50 शब्दों में) लिखिए |(3 अंक वाले प्रश्न)

क) दारा का जीवन कैसा था ? पाठ के आधार पर लिखिए |

ख) शाह दारा से किस प्रकार प्रभावित थे ? स्पष्ट कीजिए |

ग) दरबारी दारा से क्यों जलते थे ? बताइए |

घ) उत्तरी ईरान के प्रांत के हालात कैसे थे ? स्पष्ट करें |

ङ) दारा ने उत्तरी ईरान के हालात को कैसे सुधारा ? पाठ के आधार पर लिखें |

च) दारा दौरा पर कैसे जाता था ? बताइए |

छ) दरबारियों ने दारा के खिलाफ शाह से क्या कहा ? बताइए |

ज) शाह ने क्रोध से चिल्लाते हुए दारा से क्या कहा ? पाठ के आधार पर लिखिए |

झ) दारा अपने बक्से में क्या रखता था और क्यों ? स्पष्ट कीजिए |

ञ) यदि दरबारियों के कहे अनुसार दारा के बक्से से बेईमानी से एकत्र किया गया धन निकलता तो क्या होता ? अपने विचार लिखें |

पाठ-३ अच्छे पड़ोसी के गुण

1. दिए गए प्रश्नों का उत्तर संक्षेप में लिखिए | (1 अंक वाले प्रश्न)

क) हमारा पड़ोसी के प्रति दृष्टिकोण कैसा रहा है ?

ख) पड़ोसी की पत्नी भगवान के यहाँ से क्या खाकर आई है ?

ग) साधारण सी सर्दी-ज़ुकाम को पड़ोसी क्या बताते हैं ?

घ) एक-दूसरे के बारे में क्या हमेशा सुखद परिणाम देता है ?

ङ) पड़ोसी के लिए हमारा दिल किसके समान रहता है ?

च) क्या दान करने में लेखक को संकोच नहीं होता है ?

छ) किसके विरोध में स्वर उभरता है ?

ज) उदारता के कृत्य के विरुद्ध पड़ोसी हमसे क्या करता है ?

झ) पाठ के अनुसार हम स्वभाव से कैसे हैं ?

ञ) लेखक अपने दरवाज़े को किससे सुशोभित पाते हैं ?

ट) लेखक की क्या तमन्ना है ?

ठ) लेखक की पत्नी ने लड़की को क्या पहुँचाने के वादे के साथ विदा किया ?

ड) 'तूश' क्या है ?

ढ) 'तूश' की शॉल की सफ़ाई में कितने रुपए खर्च हुए ?

ण) शॉल पर किसका दाग लग गया था ?

त) पड़ोसन ने तूश दागी करने के लिए किसे दोषी ठहराया ?

थ) पड़ोसन के अनुसार यह क्या था ?

द) तूश-प्रकरण के बाद परिवारों की स्थिति कैसी थी ?

ध) किसके व्यवहार में खास अंतर नहीं है ?

न) देश की इकाई किससे बनती है ?

2. दिए गए प्रश्नों का उत्तर संक्षेप में (25 से 30 शब्दों में) लिखिए | (2 अंक वाले प्रश्न)

क) पड़ोसी के प्रति अपनी उदारता का परिचय लेखक किस प्रकार दिया करते थे ?

ख) केबल टीवी नई पीढ़ी के लिए नुकसानदेह क्यों है ?

ग) कौन-सा शाश्वत सत्य कभी नहीं बदल पाया ?

घ) लेखक घर जाकर अपनी श्रीमती जी से पड़ोसन के तारीफ़ में क्या कहते ?

ङ) हमारी सामाजिक उपलब्धि क्या है ?

च) महिलाएँ पड़ोसी धर्म किन चीज़ों के आदान-प्रदान द्वारा निभाती थी ?

छ) शॉल पर किसका दाग लग गया था और उसकी सफ़ाई में कितने की चोट लगी ?

ज) पड़ोसन को क्या ज्ञात हो गया और उन्होंने क्या किया ?

झ) पड़ोसन ने चीज़ों के आदान-प्रदान को लेकर लेखक की पत्नी पर क्या आरोप लगाया ?

ञ) पड़ोसी लेखक के मेहमानों का खर्च किस प्रकार बचाते थे ?

ट) हर पड़ोसी देश संसार के सामने कौन-सा उसूल अपनाता है ?

ठ) लेखक की क्या आकांक्षा है ?

3. दिए गए प्रश्नों का उत्तर विस्तृत रूप में (40 से 50 शब्दों में) लिखिए |(3 अंक वाले प्रश्न)

क) लेखक ने व्यक्ति और देश के पड़ोसियों की तुलना क्यों की है ? पाठ के आधार पर लिखिए |

ख) पड़ोसियों में अक्सर किन बातों को लेकर बहस हुआ करती थी ? स्पष्ट कीजिए |

ग) महिलाओं के बीच पड़ोसी धर्म निभाने का सिलसिला समाप्त क्यों हो जाता है ? बताइए |

घ) यदि लेखक और उनके पड़ोसी का व्यवहार एक-दूसरे के प्रति अच्छा होता, तो उनके जीवन में क्या परिवर्तन आता ? स्पष्ट करें |

ङ) यदि लेखक और उनके पड़ोसी अच्छे पड़ोसी होते, तो वे शीतयुद्ध की समस्या से कैसे निपटते ? अपने विचार लिखें |

च) पड़ोसी नई पीढ़ी का खयाल किस प्रकार रखते थे ? बताइए |

छ) 'अच्छे पड़ोसी के गुण' पाठ के माध्यम से लेखक हमे क्या संदेश देना चाहते है ? बताइए |

(खंड-घ – लेखन)

अनुच्छेद लेखन- (5 अंक वाले)

1. आज़ादी का महत्त्व
2. आदर्श व्यक्तित्व
3. यदि मैं पंछी होता
4. पराधीन सपनेहु सुख नाहीं
5. ईमानदारी : एक महान गुण
6. बुद्धि ही श्रेष्ठ बल
7. हमारे पड़ोसी
8. सद्भावना
9. परोपकार
10. विनम्रता